SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

STARLINKS

linking all BOI stakeholders

ReportJunction.com

बैंक ऑफ़ इंडिया

पथ प्रदर्शक सितारा

Bank of India

The Guiding Star

वार्षिक रिपोर्ट

Annual Report

2001-2002

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य	
सूचना	
निदेशकों की रिपोर्ट	
कारपोरेट शासन पर लेखापरीक्षकों का प्रमाणपत्र	
तुलन-पत्र	
लाभ व हानि लेखा	
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	
लेखों पर टिप्पणियां	
भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	
नकदी प्रवाह विवरण	
बैंक की सहायक कंपनियों की लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट/ तुलन-पत्र/लाभ एवं हानि लेखा	
इलैक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (ईसीएस) फार्म	
परोक्षी फार्म	
उपस्थिति पर्ची	

CONTENTS

Chairman & Managing Director's Statement	3
Notice	6
Directors' Report	8
Auditors' Certificate on Corporate Governance	39
Balance Sheet	40
Profit & Loss Account	41
Significant Accounting Policies	50
Notes on Accounts	54
Auditors' Report to The President of India	62
Cash Flow Statement	64
Auditor's Report/Balance-Sheet/ Profit & Loss Account of Bank's subsidiaries.	67
Electronce Clearing Service (ECS) Form	123
Proxy Form	125
Attendance Slip	127

निदेशक बोर्ड
Board of Directors

श्री के. वि. कृष्णमूर्ति
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Shri K. V. Krishnamurthy
Chairman & Managing Director
श्री ओ. एन. सिंह
कार्यपालक निदेशक
Shri O. N. Singh
Executive Director
श्री शेखर अग्रवाल
Shri Shekhar Agarwal
श्री एम. पी. कोठारी
Shri M. P. Kothari
श्री सुनील कांत मुंजाल
Shri Sunil Kant Munjal
श्री संथानम विजी
Shri Santhanam Viji
डॉ. वी. वी. देसाई
Dr. V. V. Desai
डॉ. बी. सी. जैन
Dr. B. C. Jain
श्री एस. आर. हलबे
Shri S. R. Halbe
श्री पहलाज एन. निहलानी
Shri Pahlaj N. Nihalani
श्री डी. के. कपिला
Shri D. K. Kapila

बैंक ऑफ़ इंडिया
Bank of India
(भारत सरकार का उपक्रम)
(A Government of India Undertaking)

प्रधान कार्यालय
14वां तल, एक्सप्रेस टावर्स,
नरीमन पाइंट, मुंबई - 400 021.

Head Office
14th Floor, Express Towers,
Nariman Point,
Mumbai - 400 021.

रजिस्ट्रार और अंतरण एजेंट
मेसर्स शेयरप्रो सर्विसेज,
यूनिट-बैंक ऑफ़ इंडिया,
साटम इस्टेट, तीसरी मंजिल,
बैंक ऑफ बडोदा के ऊपर,
कार्डिनल ग्रेसियस रोड,
चकाला, अंधेरी (पूर्व)
मुंबई - 400 099.

सांविधिक लेखा परीक्षक
Statutory Auditors

लक्ष्मीनिवास एण्ड जैन
Lakshminiwas & Jain

छाजेड एण्ड दोशी
Chhajed & Doshi

एम. थॉमस एण्ड कम्पनी
M. Thomas & Co.

एन. एम. रायजी एण्ड कम्पनी
N. M. Raiji & Co.

प्रकाशचन्द्र जैन एण्ड कम्पनी
Prakash Chandra Jain & Co.

एस. के. कपूर एण्ड कम्पनी
S. K. Kapoor & Co.

Registrar and Transfer Agents

Messrs Sharepro Services
Unit-Bank of India
Satam Estate, 3rd Floor
Above Bank of Baroda
Cardinal Gracious Road
Chakala, Andheri (East)
Mumbai – 400 099

www.reportjunction.com

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारको,

मुझे लगातार तीसरे वर्ष आपके बैंक के वार्षिक परिणाम प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। वर्ष 2001-02 के परिणाम संतोषजनक से कहीं अधिक हैं तथा इनसे हमारी कार्यप्रणाली में आए आमूल चूल परिवर्तन की झलक मिलती है।

अर्थव्यवस्था में आई मंदी के बावजूद आपका बैंक रूपये एक लाख करोड़ के कारोबारी आँकडे को पार कर चुका है और उसने 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आपके बैंक का शुद्ध लाभ गत वर्ष के रूपये 252 करोड़ की तुलना में दोगुना होकर रूपये 505 करोड हो गया है। इसके परिचालनगत लाभ में 83 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वह रूपये 1412 करोड़ तक पहुँच गया है, जो इसके अपने इतिहास में अधिकतम है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको के बीच इसकी लाभप्रदता में वृद्धि सर्वाधिक रही है। इसी के परिणामस्वरूप आपके निदेशकों ने इस वर्ष सर्वाधिक 25 प्रतिशत लाभांश की सिफारिश की है। मुझे विश्वास है कि इससे प्रत्येक शेयरधारक को प्रसन्नता होगी। आस्तियों पर लाभ में 0.55 प्रतिशत से 1.06 तक का उछाल आया है, जबकि आस्ति उपयोगिता अनुपात 1.34 प्रतिशत से सुधर कर 2.18 प्रतिशत हो गया है। गत वर्ष के दौरान स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के परिणामस्वरूप प्रोद्भूत लाभों के साथ गत वर्ष के दौरान अपनाए गए लागत नियंत्रण उपायों के चलते परिचालनगत लागत में कमी आई हैं। औसत आस्ति अनुपात के समक्ष परिचालनगत लागत में 3 प्रतिशत से 2.35 प्रतिशत तक आई कमी के साथ साथ औसत आस्तियों के समक्ष स्टाफगत लागत में 2.30 प्रतिशत से 1.67 प्रतिशत तक की कमी इस बात का प्रमाण है। गैर उत्पादक आस्तियों से रूपये 1400 करोड़ से भी अधिक की पर्याप्त वसूलियों पर बैंक द्वारा दिए गए विशेष ध्यान के परिणामस्वरूप शुद्ध गैर निष्पादक आस्तियां 6.73 प्रतिशत से घट कर 6.02 प्रतिशत रह गई हैं। हमारा उद्देश्य इसे 4 प्रतिशत से कम लाना है।

आपका बैंक विवेकसम्मत लेखांकन नीतियों के अनुपालन के बारे में सदैव सचेत रहा है। वर्ष के दौरान, बैंक ने आरक्षिति एवं आधिक्य में रूपये 309 करोड़ की वृद्धि की है तथा भविष्य में ब्याज दर परिवेश के किसी भी संभव उलटाव के कारण, तुलन पत्र पर किसी भी कुप्रभाव से बचे रहने के लिए निवेश घट बढ आरक्षिती में काफी बढौतरी की है। हमने प्रावधानों को रूपये 903 करोड़ तक बढाया है ताकि गत वर्ष के 39 प्रतिशत से 45 प्रतिशत तक का उच्चतर गैर निष्पादक आस्ति कवरेज अनुपात (विवेकपूर्ण बट्टाकरण से पहले) उपलब्ध कराया जा सके।

गत वर्ष शेयरधारकों ने भारत सरकार को रूपये 300 करोड़ की इक्विटी पूंजी लौटाने हेतु बैंक को अनुमति देने से संबंधित संकल्प पारित किया था। तथापि, तकनीकी कारणों से सरकार ने केवल इसकी आधी राशि स्वीकार की। तदनुसार मार्च, 2002 में रूपये 150.42 करोड़ की राशि सरकार को लौटा दी गई। इसी के साथ, बैंक की पूंजी में जनता की भागीदारी 23.47 प्रतिशत से बढकर 30.70 प्रतिशत हो गई है, जबकि सरकार का हिस्सा घट कर 69.30 प्रतिशत रह गया है। इस कमी के साथ साथ बेहतर समग्र कार्य निष्पादन के कारण प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) रूपये 3.95 से दोगुना होकर रूपये 7.91 हो गया है। बैंक ने अपनी आस्ति विस्तार योजनाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए 63 मास की अवधि हेतु अधीनस्थ चरण II बाँडों के माध्यम से सफलतापूर्वक फरवरी 2002 में रूपये 160 करोड़ भी जुटाए।

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

Dear Shareholders,

I take pleasure in presenting the annual results of your Bank for the third consecutive year. The results for the year 2001-02 are more than satisfactory and is a reflection on the overall changes brought into the functioning.

Your Bank has crossed business of Rs. one lakh crore, thereby recording 17 per cent growth despite protracting slowdown in the economy. Net profit of your Bank has doubled to Rs. 505 crore from Rs. 252 crore last year and operating profit has recorded a growth of 83 per cent to reach Rs.1412 crore, highest ever in its long history. The profitability growth has been one of the highest among the public sector banks. This has enabled your Directors to recommend the highest ever dividend at 25 per cent, which I am sure, would delight the hearts of every shareholder. The Return on Assets has leapfrogged to 1.06 per cent from 0.55 per cent, while Asset Utilisation ratio has improved to 2.18 per cent from 1.34 per cent. Cost control measures taken during the year, coupled with the benefits accrued following the VRS scheme implemented last year, have resulted in declining operating cost. The drop in the operating cost to average assets ratio from 3 per cent to 2.35 per cent as well as the ratio of staff cost to average assets from 2.30 per cent to 1.67 per cent, bear testimony to this. The Bank's special focus on effecting substantial recoveries of over Rs. 1400 crore from the non-performing assets has resulted in the Net NPA coming down from 6.73 per cent to 6.02 per cent. We are aiming to bring this down to below 4 per cent.

Your Bank has always been conscious in following prudent accounting policies. During the year, the Bank has added Rs.309 crore to the reserves and surplus with generous addition to the Investment Fluctuation Reserves to guard against any impact on the balance sheet, on account of any possible reversal of interest rate environment in future. We have increased the provisions to Rs. 903 crore so as to provide higher NPA coverage ratio (before prudential write -off) of 45 per cent from 39 per cent last year. We are aiming for higher NPA coverage for March 2003.

Last year the shareholders had passed the Resolution to allow the Bank to return Rs.300 crore of equity capital to the Government of India. However, owing to technical reasons, the Government accepted only half the amount. Accordingly, a sum of Rs.150.42 crore was returned to the Government in March 2002. With this, the share of public in the Bank's capital has gone up from 23.47 per cent to 30.70 per cent, while reducing the Government of India's share to 69.30 per cent. This reduction coupled with better overall performance has resulted in Earnings per Share [EPS] doubling to Rs. 7.91 from Rs. 3.95.

www.reportjunction.com

बैंक की ट्रेजरी शाखा नियामक आरक्षिति अपेक्षाओं के प्रबंधन के अतिरिक्त, विभिन्न बाजारों में उपलब्ध अवसरों का पूरा पूरा लाभ उठाते हुए संसाधनों के बेहतर उपयोग के द्वारा लाभों को अधिकतम करने में पूरी तरह से सक्रिय रही है। इसे विदेशी विनिमय बाजार में एक बडे बाजार निर्माता तथा प्रतिभूति बाजार में एक महत्त्वपूर्ण खिलाडी के रूप में देखा गया हैं। तरलता प्रबंधन, संसाधनों के उचित अभिनियोजन के माध्यम से विवेकपूर्ण ढंग से किया गया है।

गैर निष्पादक आस्तियों पर ध्यान दिए जाने की वजह से इसके संतोषजनक परिणाम सामने आए हैं। गत वर्ष के रूपये 1287 करोड़ से बढ़कर विभिन्न प्रकार की कुल वसूलियां रूपये 1400 करोड़ हो गई। तथापि, विश्वव्यापी मंदी के माहौल के कारण कुछ एक बड़े खातों में स्तरावनति से बचा नहीं जा सका है। तो भी, सकल वैश्विक गैर निष्पादक आस्तियां 10.38 प्रतिशत से कम होकर 9.37 प्रतिशत तथा शुद्ध गैर निष्पादक आस्तियां 6.73 प्रतिशत से घट कर 6.02 प्रतिशत रह गई हैं।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, बैंक ने संगठनात्मक पुन संरचना पूरी की तथा प्रशासनिक कार्यालयों को 79 से कम कर 47 किया है। इस व्यवस्था के चहुमुखी परिणाम हैं : अधिकार क्षेत्र में शाखाओं की संख्या कम होने के कारण बेहतर नियंत्रण एवं समन्वय, एक टियर कम कर देने के कारण द्रुत निर्णयन प्रक्रिया, प्रशासकीय लागतों में समग्र कमी और पुन: तैनाती के माध्यम से आधिक्य स्टाफ का बेहतर उपयोग।

महत्त्वपूर्ण (कोर) बैंकिंग पर उचित ध्यान देने की हमारी नीति के रूप में हमने सहायक कंपनियों के युक्ति करण द्वारा अपनी गैर महत्त्वपूर्ण गतिविधि को युक्ति संगत बनाया है। बैंक ने अपनी सहायक कंपनी बीओआई म्यूचुअल फंड द्वारा आरंभ की गई दो योजनाओं के बारे में अपने निवेशकों को आश्वस्त लाभों की बाध्यता को पूरा किया है। दिनांक 31/3/2002 को परिपक्व होने वाली योजना का म्यूचुअल फंड द्वारा भुगतान किया जा रहा है जब कि दो अन्य योजनाएं मैसर्ज टौरस म्यूचुअल फंड को बेच दी गई हैं। इससे म्यूचुअल फंड को बंद करने का रास्ता साफ हो जाएगा।

दूसरी सहायक कंपनी बीओआई फाईनेंस लिमिटेड का बैंक के साथ विलय कर दिया गया है। बीओआई शेयर होल्डिंग लिमिटेड समाशोधन तथा निपटान कारोबार में स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई के साथ मिलकर भली-भांति अपना कार्य कर रही है।

बैंक निरन्तर नए लाभप्रद और व्यावहारिक कारोबारी अवसरों की खोज में लगा रहा है। बैंक के विशाल तथा सुविभाजित शाखा नेटवर्क और विस्तृत ग्राहक आधार, जो इसकी शक्ति है, का शुल्क आयों में वृद्धि करने के लिए नए कारोबार को लचीला बनाया है। हमने आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल लाईफ इंश्योरेंस कं. लि. से एक टाई अप व्यवस्था की है, जिसके अंतर्गत संदर्भ शुल्क के आधार पर हम अपने ग्राहकों को उक्त कंपनी के जीवन बीमा उत्पादों की बिक्री हेतु संदर्भ उपलब्ध करेंगे। यह योजना 7 केन्द्रों पर 70 शाखाओं में पायलट आधार पर आरंभ की गई है, जिसका चरणबद्ध ढंग से अन्य केंन्द्रों में विस्तार किया जाएगा। हमने आईसीआईसीआई बैंक के साथ एक अन्य व्यवस्था भी की है, जिस के अधीन, 1000 शाखाओं को कवर करते हुए उनकी नकदी

The Bank also successfully raised Rs. 160 crore in February 2002 through Subordinated Tier II Bonds for a tenure of 63 months to support its asset expansion plans.

Bank's treasury branch, besides managing the regulatory reserve requirements, has been very active in optimizing the profits through better use of resources, taking full advantage of the opportunities available in the different financial markets. It has been acknowledged as one of the major market makers in the forex market and a significant player in the securities market. The management of liquidity was judiciously done through proper deployment of the resources.

Our focus on NPA management yielded satisfactory results, with total recoveries in various forms to over Rs. 1400 crore from 1287 crore effected in the previous year, although slippages in some of the big accounts due to overall slackness and global recessionary conditions could not be avoided. Notwithstanding this, the gross global NPA has come down to 9.37 from 10.38 per cent and net NPA has come down to 6.02 per cent from 6.73 per cent.

During the year under review, The Bank completed restructuring in the organisation and reduced the administrative offices from 79 to 47. This had four-pronged advantages: better control and co-ordination with fewer branches under jurisdiction, quicker decision-making process because of removal of one tier, overall reduction in administrative costs and better use of the surplus staff through redeployment.

As part of our strategy to give due focus to core banking, we have decided to prune down our non-core activity by rationalising the subsidiaries. The Bank fulfilled the obligation of the assured returns to its investors in respect of two schemes floated by its subsidiary, BOI Mutual Fund. One of the schemes, which matured on 31.03.2002, is being redeemed by the mutual fund, while two other schemes have been sold to M/s Taurus Mutual Fund. This will pave way for closing down of the Mutual Fund arm. Another subsidiary, BOI Finance Ltd., has been amalgamated with the Bank. BOI Shareholding Ltd. is performing well in conjunction with the Stock Exchange, Mumbai, in the clearing and settlement business.

The Bank has been constantly exploring for uncharted viable and profitable business opportunities. The Bank's large and well-distributed branch network and wide customer base, which are its strength, are being leveraged for generating new business so as to augment fee income. We have tied-up with ICICI Prudential Life Insurance Co. Ltd. for providing reference of our customers for sale of their life insurance products against a referral fee. This scheme is being piloted at 7 centres, covering

www.reportjunction.com

प्रबंधन सेवाओं हेतु हमारे विस्तृत शाखा नेटवर्क का प्रयोग किया जाएगा। इससे रूपये 2000 करोड़ के पण्यावर्त की आशा है तथा इससे बैंक की गैर ब्याज आय में वृद्धि होगी। हमने सिक्योरिटीज ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. (एसटीसीआई) से भी एक नीतिगत टाई अप व्यवस्था की है, जिसके अन्तर्गत हमारी शाखाओं के माध्यम से खुदरा निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सिक्योरिटीज) की गौण बाजार में बिक्री में मदद मिलेगी।

तकनीकी का पूरा लाभ उठाते हुए,अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हमने अपने विभिन्न उत्पादों तथा सही सेवाओं के माध्यम से गुणवत्ता में वृद्धि उपलब्ध कराने हेतु कई उपाय किए हैं। लगभग 194 शाखाओं को कवर करने के लिए बहु शाखा बैंकिंग परियोजना का 5 शहरों में विस्तार किया गया है, जिससे ग्राहकों को परिचालनगत विकल्प मिलेंगे। हम नेटवर्क के भीतर 80 अन्य शाखाओं को कवर करने के अग्रिम चरण में है। एटीएम आज के ग्राहक के लिए वैकल्पिक बैंकिंग के ज्यादा पसंदीदा चैनल है। हम पहले ही 48 एटीएम (ऑनसाईट तथा ऑफ साईट, दोनों ही प्रकार के) स्थापित कर चुके हैं तथा अन्य 102 एटीएम आउट सोर्सिस मॉडल के माध्यम से कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। अगले दो वर्षों में, कारोबारी पर्याप्त भाग बहु आयामी एटीएमों के माध्यम से किए जाने की आशा है।

जोखिम, बैंकिग कारोबार का अभिन्न अंग है। जोखिम से बचा नहीं जा सकता है और न ही इसे समाप्त किया जा सकता है, परन्तु इसे व्यवस्थित किया जा सकता है। अत: जोखिम प्रबंधन का आज की बैंकिंग में महत्त्वपूर्ण स्थान है। हम निरंतर विभिन्न जोखिम निवारण मॉडलों के माध्यम से इस मामले में सुधार लाने हेतु प्रयासरत हैं। बैंक धीरे-धीरे बाजारी जोखिमों का आकलन करने एवं उन्हें कम करने के लिए वीएआर एवं ड्युरेशन प्रणालियों की ओर अग्रसर है।

परम्परागत रूप से बैंक ने स्टील, ऑयरन, टैक्सटाईल, रसायन और इंजीनियरींग के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में अधिक निवेश किया है। विविधिकरण, उच्च आय तथा तुलनात्मक कम गैर निष्पादक आस्तियों के दृष्टिगत, वर्तमान में हमारा ध्यान आवास, व्यक्तिगत तथा खुदरा क्षेत्रों की ओर है। इससे हमारे जोखिम तो कम होंगे ही, साथ ही हमारा मध्यम वर्ग ग्राहक आधार भी विस्तृत होगा। फिल्मों हेतु वित्तपोषण में हमारा स्थान सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों में पहला है। ऐसा हम ने रूपये 50 करोड़ के कॉर्पस की स्थापना कर के किया है।

हमने स्वयं के लिए चालू वर्ष के दौरान रूपये 1650 करोड़ के परिचालनगत लाभ एवं रूपये 700 करोड़ के शुद्ध लाभ का लक्ष्य रखा है। हमारा उद्देश्य आने वाले वर्षों में आपके बैंक को नई उंचाइयों तक पहुँचाना है। मुझे विश्वास है कि बैंक अपने निर्धारित मार्ग पर चलते निरंतर विकास की ओर अग्रसर रहेगा तथा अपने रास्ते में कई महत्त्वपूर्ण मंजिलें पार करेगा।

(के.वि. कृष्णमूर्ति)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

मुंबई
20.05.2002

70 branches, which will be expanded to other centres in a phased manner. We have also entered into an arrangement with ICICI Bank for using our wide branch network for their cash management services covering 1000 branches, which is expected to generate turnover of Rs. 2000 crore and add to non interest income of the Bank. We have also a strategic tie up with Securities Trading Corporation of India Ltd. [STCI], in facilitating secondary market sale of Government Securities [G-Secs] to retail investors through our branches.

We have taken several initiatives in providing value addition through our various products and impeccable services to satisfy the needs of our customers, using technology to its full advantage. Multi-Branch Banking project has been extended to cover around 194 branches in five cities, which will give the operational flexibility to the customers. We are in the advanced stage of covering another 80 branches within the network. ATMs are the preferred channel of flexible banking for today's customer. We have already commissioned 48 ATMs (both On-site and Off-site) and another 102 ATMs are at various stages of implementation through an outsourcing model. In the next two years a substantial portion of business is expected to be transacted through a large number of ATMs.

Risk is an integral part of banking business. While risk cannot be avoided or eliminated, it can be managed. Risk Management has therefore assumed greater significance in today's banking. We are constantly endeavouring to address this issue through various risk mitigating models. The Bank is slowly shifting to VaR and duration methods for measuring and mitigating the market risks.

Traditionally, the Bank has higher exposure in core sectors of steel, iron, textile, chemicals and engineering. In order to diversify and also looking to higher yield and relatively low-NPA, our focus is now on housing, personal and retail segments. This will widen our middle class customer base, besides enabling us to disperse the risks. We have the distinction of being the first public sector bank to make a foray into film financing by setting up a corpus of Rs. 50 crore to begin with.

We have set for ourselves a target of Rs.1650 crore as operating profit and Rs.700 crore as the net profit for the current year. Our vision is to take your Bank to greater heights in the years to come. I am confident that the Bank will continue its growth along the charted path and pass several important milestones on its course.

(K. V. KRISHNAMURTHY)
CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR

MUMBAI
20.05.2002

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक ऑफ़ इंडिया

प्रधान कार्यालय : 14वीं मंजिल, एक्सप्रेस टावर्स, नरीमन पाइंट, मुंबई - 400 021.

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि बैंक ऑफ़ इंडिया के शेयर धारकों की छठी वार्षिक आम बैठक सोमवार दि. 15 जुलाई, 2002 को अपराह्न 2.30 बजे सर सोराबजी पोचखानावाला बैंकर्स ट्रेनिंग कॉलेज आडिटोरियम, जे.वी.पी.डी. स्कीम, विले-पार्ले (पश्चिम), मुंबई - 400 056 में निम्नलिखित कार्य के लिए आयोजित की जायेगी :

''बैंक ऑफ़ इंडिया के 31 मार्च, 2002 के तुलन-पत्र तथा इसी तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि लेखा तथा लेखा में शामिल अवधि में बैंक की कार्यप्रणाली तथा गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलन पत्र एवं लेखों पर लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा करना''।

के. वि. कृष्णमूर्ति

स्थान : मुंबई
दिनांक : 20.6.2002

(के. वि. कृष्णमूर्ति)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

टिप्पणियां:

1. **परोक्षी की नियुक्ति**

   बैठक में भाग लेने तथा वोट देने के हकदार शेयरधारक अपने स्थान पर भाग लेने तथा वोट देने हेतु एक परोक्षी नियुक्त कर सकते हैं। परोक्षी फार्म को प्रभावी बनाने के लिए वह उसमें निर्धारित स्थान पर वार्षिक आम बैठक के कम से कम चार दिन पूर्व अर्थात दि. 10.7.2002 को या उससे पहले अवश्य प्राप्त हो जाना चाहिए।

2. **उपस्थिति-पत्रक सह प्रवेश-पत्र**

   शेयर धारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति-पत्रक सह प्रवेश-पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न हैं। शेयर धारकों/परोक्षियों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति-पत्रक सह प्रवेश-पत्र में निर्धारित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें तथा उसे बैठक में सौंप दें। शेयर धारक के परोक्षी/प्रतिनिधि द्वारा उपस्थिति पत्रक पर ''परोक्षी'' या ''प्रतिनिधि'' जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख किया जाना चाहिए।

3. **लाभांश का भुगतान**

   शेयर धारकों को निदेशक बोर्ड द्वारा घोषित लाभांश का भुगतान वार्षिक आम बैठक की तारीख से 6 सप्ताह के भीतर किया जाएगा।

4. **लेखा बंदी**

   शेयर धारकों का रजिस्टर एवं बैंक का शेयर अंतरण रजिस्टर वार्षिक आम बैठक के उद्देश्य से मंगलवार 9 जुलाई, 2002 से सोमवार 15 जुलाई, 2002 (दोनों दिन शामिल) तक बंद रहेगा।

5. **अंतरण**

   अंतरण विलेखों सहित शेयर प्रमाणपत्र रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेंट को नीचे पैरा 6 में लिखित पते पर भेजे जाने चाहिए।

6. **पते में परिवर्तन**

   शेयर धारकों से अनुरोध है कि यदि उनके पंजीकृत पते में कोई परिवर्तन हो तो वे इसकी सूचना बैंक के रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेंट को नीचे दिये गये पते पर दें -

   मेसर्स शेयरप्रो सर्विसेज
   यूनिट: बैंक ऑफ़ इंडिया,
   साटम इस्टेट, 3री मंजिल,
   बैंक ऑफ बड़ौदा के ऊपर,
   कार्डिनल ग्रेसियस रोड,
   चकाला,
   अंधेरी (पूर्व)
   मुंबई - 400 099.

7. शेयर धारकों/परोक्षियों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति बैठक में अपने साथ लायें।

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

BANK OF INDIA

Head Office : 14th Floor, Express Towers, Nariman Point, Mumbai - 400 021.

NOTICE

NOTICE is hereby given that the Sixth Annual General Meeting of the shareholders of Bank of India will be held on Monday, the 15th July, 2002 at 2.30 p.m. at Sir Sorabji Pochkhanawala Bankers' Training College Auditorium, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (West), Mumbai - 400 056, to transact the following business:

"To discuss the Balance Sheet as at 31st March, 2002 and the Profit & Loss Account for the year ended on that date, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts".

Place : Mumbai
Date : 20.06.2002

(K.V. KRISHNAMURTHY)
Chairman & Managing Director

NOTES:

1. APPOINTMENT OF PROXY
   A shareholder entitled to attend and vote at the Annual General Meeting is entitled to appoint a Proxy to attend and vote instead of himself/herself. The Proxy form, in order to be effective, must be received at the place specified in the Proxy form not later than 4 days before the date of the Annual General Meeting i.e. on or before 10.07.2002

2. ATTENDANCE SLIP CUM ENTRY PASS
   For the convenience of the shareholders, Attendance slip-cum-Entry pass is annexed to this Report. Shareholders/ Proxy holders/representatives are requested to affix their signaturers at the space provided therein and surrender the Attendance slip-cum-Entry pass at the venue. Proxy/ Representative of a shareholder should state on Attendance slip cum Entry pass "Proxy" or "Representative" as the case may be.

3. PAYMENT OF DIVIDEND
   Payment of dividend to shareholders as declared by the Board of Directors shall be made within six weeks from the date of Annual General Meeting.

4. BOOK CLOSURE
   The Register of the shareholders and the Share Transfer Register of the Bank will remain closed from Tuesday, July 9, 2002 to Monday, July, 15, 2002 (both days inclusive), for the purpose of Annual General Meeting.

5. TRANSFERS
   Share certificates along with transfer deeds should be forwarded to the Registrar and Share Transfer Agent at address given in para 6 below.

6. CHANGE OF ADDRESS
   Shareholders are required to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrar and Share Transfer Agent of the Bank at the following address:

   M/s. Sharepro Services
   Unit: Bank of India
   Satam Estate, 3rd Floor,
   Above Bank of Baroda
   Cardinal Gracious Road,
   Chakala,
   Andheri (East),
   Mumbai - 400 099

7. Shareholders/Proxy holders/representative are requested to bring their copies of the Annual Report to the Annual General Meeting.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों की रिपोर्ट

निदेशक बोर्ड बैंक की 31 मार्च 2002 की वार्षिक रिपोर्ट, लेखा परीक्षित तुलन पत्र तथा 31 मार्च 2002 को समाप्त वर्ष हेतु लाभ-हानि लेखा और प्रवाह विवरण सहर्ष प्रस्तुत करता है।

DIRECTORS' REPORT

The Board of Directors have pleasure in presenting Bank's Annual Report along with the Audited Balance Sheet as on 31st March 2002, the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement for the year ended 31st March 2002.

बैंक का कार्यनिष्पादन	*Performance of the Bank*			*(रूपये करोड़ में)* (Rs. in crore)
		2000-01	**2001-02**	**% वृद्धि % Growth**
कुल कारोबार	**Total Business**	**85744**	**100277**	**16.95**
जमा राशियाँ	Deposits	51679	59711	15.54
भारतीय	Indian	42883	49236	14.82
विदेशी	Foreign	8796	10475	19.08
सकल ऋण	Gross Credit	34065	40566	19.08
भारतीय	Indian	25736	30567	18.77
विदेशी	Foreign	8329	9999	20.05
शुद्ध ऋण	Net Credit	32173	38311	19.08
भारतीय	Indian	24010	28531	18.83
विदेशी	Foreign	8163	9780	19.79
निवेश	Investments	18225	22084	21.17
भारतीय	Indian	14887	16747	12.49
विदेशी	Foreign	3338	5337	59.87
कुल आय	Total Income	6179	6712	8.63
कुल व्यय	Total Expenditure	5407	5300	-1.98
परिचालन लाभ	Operating Profit	772	1412	82.90
प्रावधान एवं आकस्मिकताएं	Provisions & Contingencies	520	903	73.65
शुद्ध लाभ	Net Profit	252	505	100.58
पूंजी	Capital	638	488	-23.55
आरक्षित	Reserves	2048	2357	15.08
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)	Capital Adequacy Ratio (%)	12.23	10.68	—
प्रति शेयर अर्जन (रू.)	Earnings Per Share (Rs.)	3.95	7.91	100.25
लाभांश (%)	Dividend (%)	15	25	—

जमाराशियाँ

वर्ष के दौरान बैंक की जमाराशि में 8000 करोड़ रूपये से अधिक की बढ़ौतरी हुई जो 15.54 प्रतिशत की संतोषजनक वृद्धि है। इसमें स्वदेशी जमाराशियों का योगदान 6350 करोड रूपये था अर्थात 14.82 प्रतिशत वृद्धि।

हमारे विदेशी केंद्रों की कुल जमाराशि में 19.08 प्रतिशत की लाभप्रद वृद्धि हुई जिसमें ग्राहक जमाराशियों में 16.80 प्रतिशत वृद्धि हुई। बैंक की कुल जमाराशियों में विदेशी परिचालन का योगदान 17.54 प्रतिशत रहा।

स्वदेशी कुल जमाराशियों का 16.55 प्रतिशत अनिवासी जमाराशियाँ रहीं।

स्वदेशी परिचालन में बचत बैंक और चालू जमाराशियों का हिस्सा कुल जमाराशियों का 37.68 प्रतिशत ही रहा।

Deposits

Bank's deposit base went up by over Rs.8000 crore during the year, recording a satisfactory growth of 15.54 per cent, with domestic operations contributing the bulk of over Rs.6350 crore. The domestic deposit growth was at 14.82 per cent.

The total deposits of our foreign centres has registered a healthy rise of 19.08 per cent, while customer deposits have risen by 16.80 per cent. Foreign operations contributed 17.54 per cent to the total deposit base of the Bank.

Non-resident deposits constitute 16.55 per cent of domestic aggregate deposits.

The share of Savings Bank and Current deposits in domestic operations remained at 37.68 per cent of the aggregate deposits. The Bank has a well diversified deposit base with 56.4 per cent

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक का जमाराशि आधार बहुत विविधतायुक्त है जिसका 56.4 प्रतिशत ग्रामीण, अर्धशहरी और शहरी केंद्रों से रहा और शेष महानगरीय केंद्रों से। स्वदेशी जमाराशियों का मुख्य घटक (गैर-संस्थागत) 94.91 प्रतिशत रहा।

अग्रिम

मांग में मंदी के बावजूद बैंक के स्वदेशी अग्रिम (सकल) में 18.77 प्रतिशत वृद्धि हुई जो उद्योग औसत के 15.15 प्रतिशत से अधिक था। उन्नत एएए और एए के रूप में श्रेणीकृत उधार खातों का हिस्सा पिछले वर्ष के 52.90 प्रतिशत की अपेक्षा अधिक हो कर 54.60 प्रतिशत हुआ।

हमारे विदेशी केंद्रों में सकल स्तर पर ऋण में 20.05 प्रतिशत वृद्धि हुई। यदि बड़ी कंपनियों द्वारा बड़े ऋणों का पूर्व भुगतान न किया होता तो यह इससे बहुत अधिक हुआ होता।

वर्ष के दौरान, स्टार सुविधा और स्टार आशियाना योजनाओं द्वारा हमारे खुदरे ऋण पर बल दिया गया। उसी समय कंपनियों की अल्पकालीन ऋण आवश्यकता की पूर्ति शीघ्र की गयी। विविधीकरण हेतु एक उपाय के रूप में बैंक ने नये क्षेत्रों में प्रवेश किया। इस उद्देश्य से एक होटल परियोजना हेतु बैंक ने 129 करोड़ रूपये का मीयादी ऋण सामूहिक उधार द्वारा प्रदान किया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में फिल्म वित्तीयन में प्रवेश करने वाले प्रथम बैंक का श्रेय बैंक को प्राप्त हुआ जब बैंक ने चयनात्मक आधार पर वित्तीयन हेतु 50 करोड़ रूपये का समूह गठित किया। विपणन प्रयासों को मजबूत करने हेतु और हमारी ऋण योजनाओं के प्रचार के लिए जनवरी, 2002 में कारपोरेट और खुदरे ग्राहकों के लिए योजना कैटलॉग का प्रकाशन किया गया।

निवेश

स्वदेशी परिचालन में सकल आधार पर सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) निवेश 12833 करोड़ रूपये रहा (कुल निवेश का 75.87 प्रतिशत) जबकि गैर-सांविधिक तरलता अनुपात निवेश शेष 4081 करोड रूपये (कुल निवेश का 24.13 प्रतिशत) रहा जो क्रमश: 15.61 प्रतिशत और 3.44 वृद्धि दर्शाती है। जबकि एसएलआर संविभाग मुख्यत: नियामक आवश्यकताओं द्वारा नियंत्रित होता है और निक्षेपानुसार परिचालन हेतु बफर बनाने के लिए तथा व्यापार क्रियाकलाप करने के लिए है, चयनित गैर एसएलआर निवेश प्राप्त करने का मुख्य विचार निधियों की सुरक्षा के अलावा बेहतर लब्धि और तरलता है।

वर्ष के दौरान ब्याज दरों में कमी हुई। आधार वर्ष 10 की सरकारी प्रतिभूतियों पर 31.3.2001 को लागू ब्याज दर 10.34 से घटकर 31.3.2002 को 7.36 प्रतिशत हुई। बाजार की प्रवृत्ति के अनुसरण में बैंक के स्वदेशी निवेश से लब्धि भी 2000-01 के 10.68 प्रतिशत की अपेक्षा वर्ष के दौरान कम होकर 10.14 हुई। पूर्व के पुन: पूंजीकरण के रूप में 1695 करोड़ रूपये विशेष प्रतिभूतियों के रूप में बैंक के पास हैं जिन्हें छोड़ कर अन्य निवेशों पर लब्धि 2001-02 में 10.20 प्रतिशत होती है।

बोर्ड द्वारा अनुमोदित व्यापक नीति के अनुसार निवेश किये जाते हैं जो जोखिम प्रबंधन का भी पर्याप्त अनुपालन करते हुए किये जाते हैं। नीति एवं संविभाग की आवधिक समीक्षा की जाती है ताकि विपणि की गतिविधियों के अनुसार कार्रवाई की जा सके।

from rural, semi-urban and urban centres and remaining from metropolitan centres. Core component of domestic deposits constitute 94.91 per cent.

Advances

Notwithstanding the sluggish demand, the growth in Bank's domestic advances (gross) at 18.77 per cent was higher than the industry average of 15.15 per cent. The share of Prime, AAA, and AA rated borrowal accounts has gone up to 54.60 per cent from 52.90 percent last year.

The credit at our foreign centres at gross level expanded by 20.05 per cent, which could have been much higher, but for the prepayment of large credits by corporates.

During the year, thrust was laid on retail credit through our Star Suvidha and Star Aashiyana schemes. At the same time, the corporate demand for short-term credit requirement was readily met. As a strategy to diversify, the Bank made a foray into newer areas. To this end the Bank managed syndication of term loan for Rs. 129 crore for a hotel project. The Bank has the distinction of being the first public sector bank to enter into film financing in a selective way by setting up a corpus of Rs.50 crore. In order to strengthen the marketing efforts and familiarising our credit products, a product catalogue for corporate and retail customers was brought out in January 2002.

Investments

SLR investments in domestic operations on gross basis amounted to Rs 12833 crore (75.87 per cent of total investments), while non-SLR investments formed the balance Rs 4081 crore (24.13 per cent of total investments), recording a growth of 15.61 per cent and 3.44 per cent respectively. While SLR portfolio is mainly guided by the regulatory requirements and for building up the buffer required for repo operations as well as undertaking trading activity, the main considerations in acquiring select Non-SLR investments, apart from safety of funds, are better yield and liquidity.

The interest rates softened during the year, with yield on benchmark 10-year G-Sec declining to 7.36 per cent as on 31st March 2002, from 10.34 per cent as on 31.03.2001. In tune with the market trend, the yield on the Bank's domestic investments has also come down during the year to 10.14 per cent from 10.68 per cent in 2000-01. The Bank holds Special Securities of Rs 1695 crore by way of recapitalisation in the past, excluding which, the yield on other investments works out to 10.20 per cent in 2001-02.

Investments are made in accordance with the comprehensive policy approved by the Board, which also adequately addresses the risk management. The policy as well as the portfolio are reviewed periodically to respond to market developments.

www.reportjunction.com

हमारी विदेशी शाखाओं के निवेश संविभाग में पिछले वर्ष के स्तर की अपेक्षा शुद्ध आधार पर 59.87 प्रतिशत की असाधारण वृद्धि हुई।

लाभप्रदता

समग्र मंदी के बावजूद वर्ष के दौरान बैंक का कार्यनिष्पादन संतोषजनक रहा और कार्य परिणाम में समग्र सुधार हुआ। परिचालन लाभ 82.91 प्रतिशत बढकर पिछले वर्ष के 772 करोड़ रूपये की तुलना में 1412 करोड़ रूपये हुआ।

बैंक ने रिपोर्ट के वर्ष के दौरान स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) 2000 पर हुए खर्च हेतु 135.18 करोड़ रूपये बट्टे खाते डाले, जिससे वीआरएस खर्च के कुल व्यय 885 करोड रूपये का 54.42 प्रतिशत दो वर्षो में समा लिया गया।

बैंक का शुद्ध लाभ दुगना होकर रूपये 505 करोड़ हुआ जो 100.58 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। प्राप्य शुद्ध ऋण विवेकपूर्ण राईट ऑफ से पहले सहित प्रावधान संरक्षण अनुपात मार्च में 2001 के 39 की तुलना में 45 प्रतिशत तक सुधरा।

वर्ष के दौरान श्रेष्ठ प्रतिभूतियों पर ब्याज दर कम हुई और प्राप्ति वक्र लगातार नीचे की ओर गया। प्रणाली में पर्याप्त तरलता थी जबकि ऋण के लिए मांग कम रही। जो भी कम मात्रा की मांग आयी वह उन्नत श्रेणीकृत कंपनियों से थी जो पीएलआर से कम दर पर उधार ले सके। यह मुख्यत: उनके महंगे उधारों को चुकाने के लिए था। इसके बावजूद बैंक शुद्ध ब्याज आय में 11 प्रतिशत वृध्दि दर्ज कर सका और विस्तार को लगभग वही बनाये रख सका। यह उधार के प्रभावी प्रबंधन से और जमाराशियों पर ब्याज दरों को लगातार पुनर्निश्चित करके संभव हुआ।

ब्याज-इतर आय पिछले वर्ष के 862 करोड़ रूपये से 28 प्रतिशत बढ़ कर 1103 करोड़ रूपये हुई। ब्याज-इतर आय और औसत कार्यशील निधि के अनुपात में बहुत सुधार हुआ और पिछले वर्ष के 1.48 प्रतिशत की अपेक्षा 1.70 प्रतिशत हुआ। बैंक के ब्याज-इतर आय में कोषागार परिचालन ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

परिचालन लागत को नियंत्रित करने के लिए उठाये गये कदम जैसे कर्मचारियों को वीआरएस देना, संगठनात्मक पुनर्गठन, सूचना प्रौद्योगिकी क्षमता में वृद्धि, परिसरों का इष्टतम उपयोग आदि से अपेक्षित फल मिला। परिचालन लागत में 213 करोड़ रूपये की कमी आयी, अर्थात, 1744 करोड रूपये से 1531 करोड़ रूपये तक या 12.21 प्रतिशत की कमी हुई।

परिचालन व्यय और औसत कार्यशील निधि के अनुपात में भी कमी हुई जो पिछले वर्ष के 3.00 प्रतिशत से घटकर 2.35 प्रतिशत हुआ। वीआरएस के कारण स्टाफ की संख्या में 14.65 प्रतिशत कमी होने के बावजूद ग्राहक संतोष के स्तर में कमी आये बिना सभी प्रकार के कारोबारों को बैंक ने सफलता से संचालित किया।

The investment portfolios of our foreign branches on net basis showed phenomenal growth of 59.87 per cent over the last year level.

Profitability

Despite overall slow down the performance of the Bank for the year has been satisfactory, with all round improvement in the working results. Operating profit increased by 82.90 per cent to Rs. 1412 crore from Rs. 772 crore for the previous year.

The Bank has written off Rs. 135.18 crore during the year under report, towards expenditure incurred on voluntary retirement (VRS) scheme 2000 thereby absorbing 54.42 per cent of the total VRS expenditure of Rs. 855 crore in two years' period.

Bank's Net profit has doubled to Rs. 505 crore, an impressive 100.58 per cent growth. Provision coverage ratio of the Bank including nettable credit (before prudential write-off) has improved to 45 per cent compared to 39 per cent as at March-end 2001.

The year saw gilt interest rates remaining soft and the yield curve falling continuously. There was ample liquidity in the system, whereas the demand for credit remained low. Whatever little demand came was from top rated corporates, who could borrow for short term at below-PLR rates, mainly for replacing their existing costlier borrowings. In spite of this, the Bank has been able to register a 11 per cent growth in net interest income and was able to maintain more or less the same spread. This has been possible by effective management of borrowings and continuous realignment of interest rates on deposits.

Non interest income for the year increased by 28 per cent to Rs. 1103 crore compared to Rs. 862 crore last year. The ratio of non-interest income to average working funds has improved significantly to 1.70 per cent from 1.48 per cent last year. Treasury operations have contributed significantly to the non-interest income of the Bank.

The initiatives taken to control operating expenses such as offering VRS to employees, organisational restructuring, enhancement of IT capabilities, optimum usage of premises, etc. have yielded the desired results and consequently the operating expenses have reduced by Rs. 213 crore, i.e. from Rs.1744 crore to Rs.1531 crore or 12.21 per cent.

The ratio of operating expenses to average working funds has also come down to 2.35 per cent from 3.00 per cent last year. The Bank has successfully conducted all types of business without affecting the level of customer satisfaction despite reduction in staff by 14.65 per cent on account of VRS.

www.reportjunction.com